महात्मा ज्योतिबा फुले रिसर्च एंड स्टडी सेंटर: -

संदेश

महात्मा ज्योतिबा फुले रोहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली के केंद्रीय पुस्तकालय में संचालित महात्मा ज्योतिबा फुले रिसर्च एंड स्टडी सेंटर की स्थापना 11 अप्रैल, 2022 को माननीय कुलपति प्रोफेसर के. पी. सिंह जी की अध्यक्षता में हुई थी। इस सेंटर की स्थापना का मुख्य उद्देश्य महात्मा ज्योतिबा फुले जी के विचारों को समाज में व्यापक रूप से प्रचार- प्रसार कर गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य को बढ़ावा दिया जाना है। महात्मा ज्योतिबा फुले 19वीं शताब्दी के एक महान समाज सुधारक, चिंतक, दार्शनिक तथा शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने वाले महापुरुष थे। उनके द्वारा राष्ट्र के शैक्षिक व सामाजिक विकास में जो योगदान प्रदान किया गया है उससे समाज अभी भी अपरिचित है। समाज में व्यापक रूप से जागरूकता व शोध कार्य को उच्च स्तर प्रदान करने हेतु महात्मा ज्योतिबा फुले व उनसे संबंधित अन्य महापुरुषों का साहित्य भी इस शोध केंद्र में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है । आज महात्मा ज्योतिबा फुले रिसर्च एंड स्टडी सेंटर में बड़े स्तर पर एम.एड./पी-एच.डी. व अन्य क्षेत्रों के विद्यार्थी भी वातानुकूलित सुविधाओं के साथ अध्ययन व शोध कार्य कर रहे। रिसर्च एंड स्टडी सेंटर के द्वारा विश्वविद्यालय/ कॉलेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के बीच निबंध /भाषण/ क्विज प्रतियोगिता आदि का आयोजन व प्रमाण पत्र वितरण का कार्य भी किया जाता है। महात्मा ज्योतिबा फुले जी की जयंती /पुण्यतिथि के अवसर पर प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर के विद्वान प्रोफेसर्स के व्याख्यान का आयोजन किया जाता है। इस सेंटर का महत्वपूर्ण उद्देश्य है कि विद्यार्थियों में अध्ययन व शोध कार्य के साथ-साथ जीवन मूल्यों को सिंचित करना है, जिससे विद्यार्थी महात्मा ज्योतिबा फुले जी के जीवन संघर्षों और विचारों से भली-भांति परिचित होकर वह भी समाज व राष्ट्र को आगे बढ़ाने में समर्थ हो सके।

डॉ सुरेश कुमार

(समन्वयक)

महात्मा ज्योतिबा फुले रिसर्च एंड स्टडी सेंटर